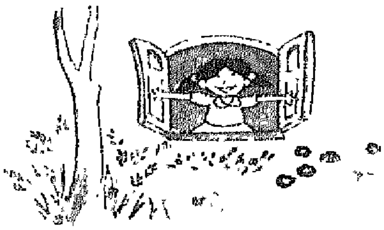
बाल भारती

भाग 2

(दूसरी कक्षा के लिए)



अभ्यास पुस्तिका

बाल भारती

भाग 2

(दूसरी कक्षा के लिए)

संयुक्ता लूदरा
सत्येन्द्र वर्मा

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

प्रथम संस्करण
मई 1988 : बैसाख 1910

प्रथम संशोधित संस्करण
मार्च 1997 : फाल्गुन 1918

द्वितीय संशोधित संस्करण
जनवरी 2003 : माघ 1924

PD 340T MB

ISBN 81-7450-101-0

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन विभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस	108, 100 फीट रोड, होस्डेकेरे	नवजीवन ट्रस्ट भवन	सी.डब्लू.सी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग	हेली एक्सटेंशन बनाशंकरी III इस्टेज	डाकघर नवजीवन	निकट : धनकल बस स्टॉप
नई दिल्ली 110 016	बैंगलूर 560 085	अहमदाबाद 380 014	पनिहटी, कोलकाता 700 114

प्रकाशन सहयोग

संपादन : मरियम बारा

उत्पादन : विनोद देवीकर

मुकेश कुमार गौड़

चित्र एवं आवरण : निधि वधवा

रु. 20.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटर मार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित।

प्रकाशन विभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110 016 द्वारा प्रकाशित तथा नवटैक कंप्यूटर द्वारा लेज़र टाईपसैट होकर एम.एस. प्रिंट्स, जी आई-४८, लॉरेंस रोड, इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली 110 035 द्वारा मुद्रित।

प्राक्कथन

भाषा मनुष्य के वैयक्तिक और सामाजिक जीवन के विकास के लिए सबसे उपयोगी साधन है, इसलिए भाषा सीखना व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है। यह एक सहज प्रक्रिया है। भाषा की शिक्षा के बिना मनुष्य का सामाजिक और बौद्धिक विकास पूर्ण नहीं होगा। भाषा का प्रवाह व्यक्ति और समाज में निरंतर चलता रहता है। भाषा-शिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को इस योग्य बना देना है जिससे वे भाषा के प्रवाह में स्वयं तैर सकें।

पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्य-सामग्री का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के तहत परिषद् ने नवीन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की जो शृंखला प्रारंभ की थी उसमें बाल भारती भाग 2 प्राथमिक कक्षाओं में मातृभाषा हिंदी पढ़ाने के लिए निर्मित पुस्तक की दूसरी कड़ी है। इस पुस्तक का प्रथम संस्करण वर्ष 1988 में प्रकाशित किया गया था। सन् 2000 में परिषद् द्वारा विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा प्रकाशित की गई और उसके आधार पर पाठ्यक्रमों का नव निर्माण किया गया। इस पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है – बस्ते के बोझ को कम करना, पाठ्य-सामग्री को अद्यतन बनाना और मूल्यपरक शिक्षा प्रदान करना। परिषद् ने पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रमों को आधार बनाकर विभिन्न विषयों में नई पाठ्यपुस्तकों का निर्माण तथा अन्य पाठ्य-सामग्री में संशोधन-परिवर्धन का कार्य आरंभ किया है।

इसी आधार पर बाल भारती भाग 2 में यथा-आवश्यक संशोधन एवं परिवर्धन किया गया है। प्रस्तुत पुस्तक को संशोधित करते समय ध्यान रखा गया है कि पाठ्यक्रम के बोझ को कम किया जा सके तथा पाठ्य-सामग्री को नई पाठ्यचर्या के परिप्रेक्ष्य में अद्यतन बनाया जा सके।

प्रस्तुत अभ्यास पुस्तिका दूसरी कक्षा के लिए निर्धारित हिंदी की पाठ्य-पुस्तक बाल भारती भाग 2 की पाठ्य-सामग्री पर आधारित है। बाल भारती भाग 2 के विभिन्न पाठों द्वारा विकसित शब्द बोध तथा अर्थग्रहण संबंधी कुशलताओं को विकसित करने और सुदृढ़ बनाने हेतु प्रस्तुत अभ्यास पुस्तिका का निर्माण किया गया है। अभ्यास पुस्तिका में इस बात पर विशेष बल दिया गया है कि विद्यार्थियों में यांत्रिक कुशलताओं के साथ-साथ चिंतन तथा सृजन की योग्यताओं का सहज विकास हो सके। शिक्षकों द्वारा कक्षा में अभ्यासों को करवाने के लिए संकेत भी दिए गए हैं। विद्यार्थियों की रोचकता बनाए रखने के लिए चित्रात्मक अभ्यास भी यथा-स्थान जोड़े गए हैं। अभ्यास में सरलता, सहजता और ग्राह्यता के साथ उनमें विविधता हो, इसका भी ध्यान रखा गया है।

आशा है कि बाल भारती भाग 2 की अभ्यास पुस्तिका के संशोधित संस्करण का विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा स्वागत होगा।

इस अभ्यास पुस्तिका को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए विद्यार्थियों, अध्यापकों और भाषाविदों दवारा भेजे गए सुझावों का हम सदैव स्वागत करेंगे।

जगमोहन सिंह राजपूत
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नई दिल्ली
जनवरी 2003

अभ्यास पुस्तिका के उद्देश्य

बाल भारती भाग 2 में कक्षा दो के बच्चों के मानसिक स्तर के अनुसार सरल, परिचित तथा प्रचलित शब्दों का प्रयोग करते हुए पाठों का विकास किया गया है। इसी आधार पर उनकी रुचियों के अनुकूल और परिवेश से जुड़े प्रसंगों पर कहानी, वर्णन, कविता आदि विधाओं में पाठ दिए गए हैं। प्रस्तुत अभ्यास पुस्तिका में भाषा की मूलभूत योग्यताओं – सुनना, बोलना, पढ़ना तथा लिखना के साथ ही चिंतन तथा बोध-ग्रहण की योग्यता के विकास को दृष्टि में रखते हुए क्रमानुसार अभ्यास-सामग्री दी गई है।

वस्तुत: भाषा की मूलभूत योग्यताएँ परस्पर इस प्रकार गुँथी हुई हैं कि एक योग्यता का विकास करने के साथ ही अन्य भाषा-योग्यताओं का न्यूनाधिक रूप में स्वत: विकास होता जाता है। उदाहरणार्थ सुनने और बोलने की योग्यताओं का विकास साथ-साथ होता है, उन्हें अलग-अलग विकसित करना अकल्पनीय है। इसी प्रकार पढ़ने और लिखने की योग्यता का विकास करते समय सुनने और बोलने का भी विकास होता जाता है। इस तथ्य को दृष्टि में रखते हुए प्रस्तुत अभ्यास-पुस्तिका में भाषा की विविध योग्यताओं तथा उनकी कार्य कुशलताओं के उत्तरोत्तर विकास के लिए सुनियोजित क्रम में अभ्यास दिए गए हैं। चिंतन और रचनात्मक क्षमता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयत्न किया गया है।

बाल भारती भाग 2 के पाठों के आधार पर बने अभ्यास ही अभ्यास पुस्तिका में सम्मिलित किए गए हैं। पाठों की विषयवस्तु से प्राप्त ज्ञान तथा अर्जित भाषा-योग्यताओं को स्थिर तथा दृढ़ बनाने के उद्देश्य से अभ्यास पुस्तिका में अभ्यासों का समावेश किया गया है। ये अभ्यास एक ओर द्रुत गति से सीखने वाले बच्चों के लिए स्वत: सीखने में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करते हैं, वहीं दूसरी ओर मंद गति से सीखने वाले बच्चों को अधिकाधिक अभ्यास द्वारा भाषायी कुशलताओं का विकास करने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

इस अभ्यास पुस्तिका में पठन-कौशल से संबद्ध कुशलताओं, जैसे – मुख्य भाव या विचार जानना, कहानी का घटनाक्रम समझना, विस्तृत विवरण जानना, कहानी का प्रत्यास्मरण करना, परिणाम निकालना, निष्कर्ष निकालना, सही बात का पता लगाना, कविता का भाव समझना, चित्र की व्याख्या करना, अप्रासंगिक बात का पता लगाना, कारण जानना आदि के विकास के लिए पर्याप्त अभ्यास दिए गए हैं। शब्द ज्ञान के अंतर्गत समानार्थक, विपरीतार्थक (विलोम) शब्द, लिंग, वचन, शब्दार्थ, सर्वनाम आदि से संबंधित अभ्यास दिए गए हैं। शब्दों की पहचान पुष्ट करने के उद्देश्य से प्रसंग संकेत, अंतिम ध्वनियों, तुकांत ध्वनियों तथा संयुक्त व्यंजनों के

अभ्यास सम्मिलित किए गए हैं। लिखना से संबंधित कौशल के विकास के लिए सुलेख, शब्द देखकर लिखना, वाक्य बनाकर लिखना, चित्रों के लिए लिखित अभिव्यक्ति, रचनात्मक अभिव्यक्ति आदि पर आधारित अभ्यासों का समावेश किया गया है। क्रिया के सही रूपों के प्रयोग, शब्दों का वाक्यों में प्रयोग, सर्वनामों का सही प्रयोग, मिलते-जुलते शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्यों में प्रयोग, विरामचिह्नों का प्रयोग आदि पर भी अभ्यास दिए गए हैं। रचनात्मक अभिव्यक्ति के विकास के लिए चित्र बनाने और उनमें रंग भरने के भी अभ्यास हैं। इनके अतिरिक्त कुछ अभ्यास ऐसे भी हैं जो बच्चों के लिए रोचक होने के साथ ही सामान्य ज्ञान की वृद्धि करने में सहायक हैं।

प्रत्येक अभ्यास से संबंधित उद्देश्य साथ में दिए गए हैं। ये उद्देश्य शिक्षकों के ही मार्गदर्शन के लिए हैं। अभ्यास कराने से पूर्व शिक्षकों को श्यामपट पर लिखकर उपयुक्त उदाहरण देते हुए स्पष्ट करना आवश्यक होगा जिससे बच्चे यह अच्छी तरह समझ सकें कि उन्हें किस प्रकार वह अभ्यास करना है। मंद गति से लिखने वाले बच्चे की आवश्यकता का ध्यान रखते हुए शिक्षक सुविधा के अनुसार शब्द-कार्डो या वाक्य-कार्डो का भी प्रयोग कर सकते हैं। इस प्रसंग में शिक्षकों से यह अपेक्षित है कि वे बच्चों की अभ्यास पुस्तिकाओं की नियमित रूप से जाँच करें तथा उनकी अशुद्धियों का आवश्यक संशोधन सुनिश्चित करें।

समीक्षा-संशोधन कार्यगोष्ठी के सदस्य

प्रो. एम.जी.चतुर्वेदी
173, नीलगिरी, अलकनन्दा
नई दिल्ली

श्रीमती संयुक्ता लूदरा
सेवानिवृत्त प्रवाचक, एन.सी.ई.आर.टी.
सी-20/सी, गंगोत्री अपार्टमैंट्स
अलकनन्दा, नई दिल्ली

श्री जगमोहन सिंह
परामर्शदाता, सीमैट (इलाहाबाद)
1 के/3, रामप्रिया निवास
प्रयाग स्टेशन के पास
रामप्रिया रोड, इलाहाबाद (उ.प्र.)

डॉ. डी.एल. शर्मा
पूर्व प्राचार्य, गाँधी विद्या मंदिर
54/68, मानसरोवर, जयपुर

प्रो. के.के. गोस्वामी
सेवानिवृत्त, केंद्रीय हिंदी संस्थान
ई-12, कैलाश कालोनी
नई दिल्ली

श्रीमती प्रेम वर्षा सेठी
हैड-मिस्ट्रेस, केंद्रीय विद्यालय
एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली

श्री विजय नारायण पाण्डेय
शिक्षक
वसंत वैली पब्लिक स्कूल
वसंत कुंज, महरौली, महिपाल पुर
नई दिल्ली

श्री रामगोपाल शर्मा
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
हिल ग्रोव स्कूल
ए-1, सफदरजंग एन्कलेव
नई दिल्ली

सुश्री उषा वधवा
टी.जी.टी.
गवर्नमेंट को-एड मिडल स्कूल
सरस्वती गार्डन, 1-बी ब्लॉक
रमेश नगर, नई दिल्ली

एन.सी.ई.आर.टी. संकाय
प्रारंभिक शिक्षा विभाग

प्रो. कृष्णकांत वशिष्ठ, विभागाध्यक्ष
डॉ. इन्दु सेठ, *प्रवाचक*
डॉ. लता पाण्डेय, *प्रवाचक*
प्रो. रामजन्म शर्मा ***(संयोजक)***

गांधी जी का जंतर

तुम्हें एक जंतर देता हूँ। जब भी तुम्हें संदेह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आज़माओ :

जो सबसे गरीब और कमज़ोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शक्ल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुँचेगा? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा? यानी क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा, जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा संदेह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

मो॰ क॰ गांधी

विषय सूची

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्त्तव्य

अनुच्छेद 51क

मूल कर्त्तव्य - भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य होगा कि वह -

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे, जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे, और

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊंचाइयों को छू सके।



1. प्यारा भारत

उद्‌देश्य

कविता की लय व ध्वनि का परिचय।

1. अधूरे वाक्यों को पूरा करो।

फल-फूलों से भरी भूमि है
खेतों में ____________
आमों की डाली पर बैठी
गाती कोयल ____________।

बच्चो, माँ ने पाल-पोसकर
तुमको बड़ा ____________
लेकिन यह मत भूलो तुमने
अन्न कहाँ का ____________!

उद्‌देश्य

तुक का ज्ञान।

2. मिलते-जुलते शब्दों को मिलाओ।

सुंदर	प्यारा
पानी	सच्चा
धारा	बंदर
बच्चा	रानी

3. वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य

- जानकारी देना।
- शब्दों का सही प्रयोग।

गंगा ________ का नाम है।	देश
हिमालय ________ का नाम है।	पक्षी
भारत ________ का नाम है।	नदी
कोयल ________ का नाम है।	पहाड़

4. कविता से संबंधित चित्र बनाओ।

उद्देश्य

रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।



2. कबूतर और जाल

1. उत्तर लिखो।

उद्देश्य

- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- प्रश्नों के उत्तर लिखना।

कबूतर कहाँ रहते थे?

____

जाल किसने काटा?

____

2. सही शब्द चुनो और उसके नीचे रेखा खींचो।

उद्देश्य

शब्द-ज्ञान बढ़ाना।

भोजन	दाना	<u>खाना</u>	घास
धरती	ज़मीन	आकाश	मैदान
मित्र	दोस्त	भाई	बेटा
सहायता	काम	साथ	मदद

3. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

संयुक्त व्यंजन पढ़ना और लिखना।

बिल्ली	चिल्लाना
ल्ल	ल्ल
धन्य	धन्यवाद
न्य	न्य

बल्ला	न्याय	उल्लू	धन्यवाद

4. दिए गए वाक्य को बार-बार लिखो।

उद्देश्य

सुलेख लिखना।

चूहा मेरा मित्र है।

5. पढ़ो।

उद्देश्य

निष्कर्ष निकालना।

बूढ़े कबूतर ने सबसे कहा, "दाना मत खाओ।" सबने दाना खाया पर बूढ़ा कबूतर दूर से देखता रहा। बूढ़े कबूतर ने कहा, "सब जाल लेकर उड़ चलो।"

सही पर (✓) और गलत पर (×) चिह्न लगाओ।

बूढ़ा कबूतर आलसी था। ( )

बूढ़ा कबूतर चतुर था। ( )

6. पीपल का पत्ता बनाओ और उसमें रंग भरो।

उद्देश्य

रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।



3. गिलहरी

1. उत्तर लिखो।

उद्देश्य

कहानी का प्रत्यास्मरण।

गिलहरी के बाल कैसे होते हैं?

____

____

गिलहरी कैसे खाती है?

____

____

गिलहरी मूँगफली लेकर कहाँ गई?

____

____

2. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

संयुक्त व्यंजनों का ज्ञान।

प्याला ________	पत्थर ________
प्यार ________	हत्था ________
प्यास ________	कत्था ________
प्य ________	त्थ ________

3. उलटे अर्थ वाले शब्द को मिलाओ।

उद्देश्य

- शब्द-ज्ञान बढ़ाना (उलटे अर्थ वाले शब्द)।

दिन	बुरा	चढ़ना	लेना
ऊँचा	रात	पकड़ना	उतरना
अच्छा	नीचा	देना	छोड़ना

4. दिए गए शब्दों को पढ़ो। ज और ज़ के तीन-तीन शब्द खाली जगह में लिखो।

उद्देश्य

मिलती-जुलती ध्वनियों की पहचान।

जाल	जेल	बजाना	जामुन
तेज़	आवाज़	ज़ोर	बाज़ार
जहाज़	दरवाज़ा	राजा	ज़रा

ज ____________________

ज़ ____________________

5. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो।

उद्‌देश्य

क्रिया-शब्दों का सही प्रयोग सिखाना।

गिलहरी बेर खा ______________ । (रहा है/रही है)

कौआ पेड़ पर बैठ ______________ । (गया/गई)

सुधीर मेरे घर ______________ । (आएगा/आएगी)

मीरा गाना ______________ है। (गाता/गाती)



4. बकरी का बच्चा और भेड़िया

1. कहानी के अनुसार दिए गए खाने में 1, 2, 3 आदि लिखो।

उद्देश्य

- कहानी के घटनाक्रम को समझना।
- वाक्य पढ़ने का अभ्यास करवाना।

वाक्य	क्रम
नाले के किनारे भेड़िया पानी पी रहा था।	
बच्चा छिपकर माँ के पीछे-पीछे चला गया।	
कुत्तों ने भेड़िए को पकड़ लिया।	
भेड़िया मामा, मैं अभी बहुत छोटा हूँ।	
भेड़िया मामा बहुत अच्छा गाते हैं।	
भेड़िए ने दूर से बकरी के बच्चे को देखा।	

2. वाक्य बनाओ।

उद्देश्य

शब्द-प्रयोग और वाक्य-निर्माण।

बकरी ______________________________

आवाज़ ______________________________

जंगल ______________________________

घास ______________________________

गाना ______________________________

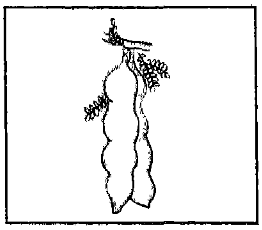
3. सही शब्द बनाओ।

उद्देश्य
शब्द बनाना (क्रिया-शब्द सिखाना)।

	ता	ती	ते
कर	करता	करती	करते
देख	______	______	______
चल	______	______	______
सुन	______	______	______
आ	______	______	______
उड़	______	______	______

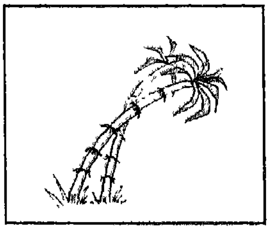
4. उदाहरण के अनुसार चित्रों के सामने पहला अक्षर और नीचे पूरा नाम लिखो।

उद्देश्य
परस्पर मिलती-जुलती ध्वनियों का अभ्यास कराना (इ-ई, उ-ऊ)।



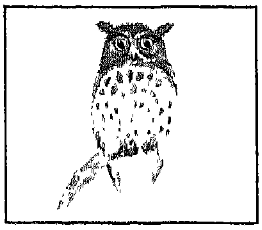
इ

इमली



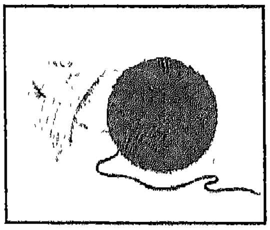
______

______



______

______



______

______

5. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

संयुक्त व्यंजनों का ज्ञान कराना।

च् + च = च्च बच्चा ________ ________

च् + छ = च्छ अच्छा ________ ________

त् + त = त्त पत्ता ________ ________

रुपया	गुरुजी	रुको
________	________	________
________	________	________
रूमाल	ज़रूर	शुरू
________	________	________

6. उत्तर लिखो।

उद्देश्य

- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- प्रश्नों के उत्तर लिखने का अभ्यास।

बकरी कहाँ रहती थी?

____

____

नाले के किनारे कौन पानी पी रहा था?

____

____

गाने की आवाज़ से क्या हुआ?

____

____



5. पाँच मिनट में

1. उत्तर लिखो।

उद्देश्य
- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- वाक्य लिखने का अभ्यास।

गोपी सबसे क्या कहता था?

____

गोपी जादू का खेल क्यों नहीं देख पाया?

____

आखिर में गोपी ने क्या सोचा?

____

2. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

संयुक्त व्यंजन वाले शब्द पढ़ना और लिखना सिखाना।

समाप्त	सप्ताह	_______________
प्त	प्त	_______________
अध्यापक	ध्यान	_______________
ध्य	ध्य	_______________

3. **नीचे दिए गए तीन वाक्यों में से सही वाक्य चुनकर खाली स्थान भरो।**

आलसी समझते / चतुर समझते / अच्छा समझते।

उद्देश्य

परिणाम निकालना।

गोपी सुबह बहुत देर से उठता। वह अपने सब काम धीरे-धीरे करता। वह रोज़ देर से स्कूल पहुँचता। वह स्कूल का काम पूरा नहीं कर पाता। गोपी के अध्यापक उसे ______________________ ____________।

4. **लिखो।**

उद्देश्य

सुलेख लिखना।

कक्षा	नाश्ता	क्षमा	अध्यापक
________	________	________	________
________	________	________	________
________	________	________	________
________	________	________	________

5. **पाठ से संबंधित चित्र बनाओ।**

उद्देश्य

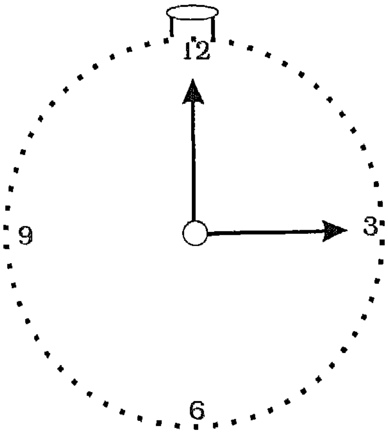
रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।

6. छोटी-सी चीज

उद्देश्य

घड़ी के अंकों का ज्ञान।

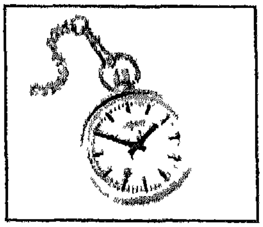
1. बिंदु मिलाकर चित्र पूरा करो और उसमें छूटे हुए अंक लिखो।



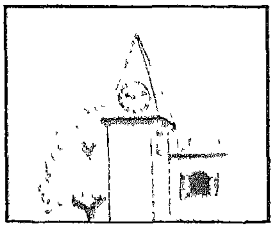
2. घड़ियों के नाम लिखो।

उद्देश्य

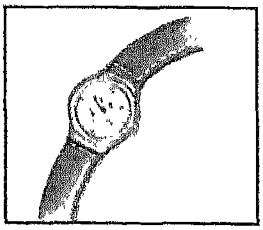
सामान्य ज्ञान बढ़ाना।



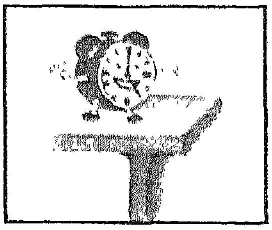
जेबघड़ी



____



____



____



7. चींटी और हाथी

1. किसने कहा? किससे कहा?

उद्देश्य

- कहानी का विस्तृत विवरण जानना।
- वाक्य लिखने का अभ्यास।

"तुम दूसरों को बहुत सताते हो, यह बात ठीक नहीं।"

____

"मैं चाहे जो करूँ।"

____

"अब मैं किसी को कभी नहीं सताऊँगा।"

____

2. दिए गए उदाहरण के अनुसार समान अर्थ वाले शब्द लिखो।

उद्देश्य

शब्द ज्ञान बढ़ाना।

जंगल	वन	पशु	________
सवेरा	________	क्षमा	________
भीतर	________	ज़्यादा	________

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार करो।

उद्देश्य

शब्द ज्ञान बढ़ाना (लिंग)।

राजा	रानी	चूहा	________
माता	________	चींटा	________
भाई	________	शेर	________
पति	________	मुरगा	________

4. उत्तर लिखो।

उद्देश्य

- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- प्रश्नों के उत्तर लिखना।

चींटी रोज सुबह क्या करती थी?

____

____

चींटी दुखी क्यों थी?

____

____

अंत में हाथी ने क्या कहा?

____

____

5. कहानी के अनुसार चित्रों से सही शब्दों को मिलाओ। हाथी के चित्र में रंग भरो।

उद्देश्य

- पात्रों के प्रति प्रतिक्रिया जानना।
- रंग भरना सिखाना।



चतुर
ताकतवर
छोटी
दयालु
बड़ा
मेहनती
बुरा



6. शब्दों में वर्णों की जगह बदलकर नए शब्द बनाओ।

उद्देश्य

शब्द–निर्माण।

नाच चना
सब ____________
रहा ____________
खीरा ____________
बजे ____________
वाह ____________



8. फूल कुमारी

1. कहानी के अनुसार दिए गए खानों में 1, 2, 3 आदि लिखो।

उद्देश्य

- घटनाक्रम जानना।
- कहानी का प्रत्यास्मरण।

सभी उदास हो गए। ☐

जब फूलकुमारी खुश होती, ज़ोर-ज़ोर से हँसने लगती। ☐

सब हँसे, पर फूलकुमारी नहीं हँसी। ☐

फूलकुमारी हँस पड़ी। ☐

तमाशेवाले को खूब इनाम मिला। ☐

फूलकुमारी को हँसानेवाले को इनाम मिलेगा। ☐

राजा के मना करने पर फूलकुमारी उदास हो गई ☐

2. दिए गए उदाहरण की तरह शब्द बनाओ।

उद्देश्य

शब्द-निर्माण।

बंदर	वाला	बंदरवाला
आम		________
टोपी		________
सब्जी		________

3. सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे करो।

हँसते	हँसना	हँसती	हँसी	हँसो

उद्देश्य

क्रिया-रूपों का सही प्रयोग सिखाना।

खुश होने पर वह ______________ थी।

सब ने कहा, "______________ बेटी।"

फूलकुमारी के हँसने से सभी फूल ______________ थे।

सब हँसे पर फूलकुमारी नहीं ______________।

दाढ़ी गिरने पर सबने ______________ शुरू किया।

4. उलटे अर्थ वाले शब्द लिखो।

उद्देश्य

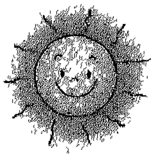
शब्द-ज्ञान बढ़ाना।

हँसना	रोना	आया	______________
खुश	______________	खिलना	______________
ज़ोर-ज़ोर	______________	उठाना	______________
बहुत	______________	देना	______________

5. फूलकुमारी को हँसाने कौन-कौन आया? नाम लिखकर किसी एक का चित्र बनाओ।

उद्देश्य

रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।



9. ऐसे सूरज आता है

1. मिलते-जुलते शब्द के चारों ओर चौकोन ☐ बनाओ।

उद्देश्य

लय एवं ध्वनि का ज्ञान।

खोल	खेत	गोल	खाना
चिड़िया	लड़की	गुड़िया	नदी
चढ़ता	चलना	सुनना	बढ़ता
चमकता	दमकता	सूरज	रहती
ढलता	चलना	चलता	गरमी

2. पढ़ो और सही वाक्यों के सामने (✓) लगाओ।

उद्देश्य

कविता के भाव समझना।

(क) पूरब का दरवाज़ा खोल

सूरज पूर्व दिशा से निकलता है। (✓)

सूरज दरवाज़ा खोलकर निकलता है। (   )

(ख) धरती-गगन दमकता है।

चारों तरफ रोशनी हो जाती है। ( )

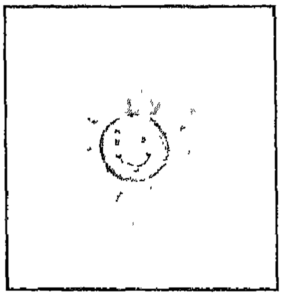
धरती और आकाश पर अँधेरा छा जाता है। ( )

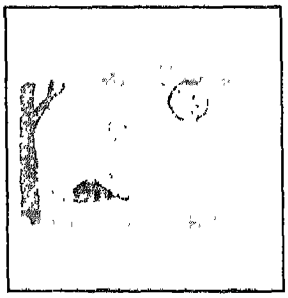
(ग) ऐसे सूरज ढलता है।

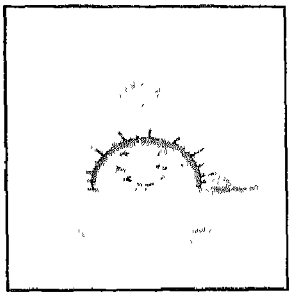
सूरज ढीला हो जाता है। ( )

शाम हो जाती है। ( )

3. चित्रों के बारे में एक-एक वाक्य लिखो।







1. ______________________________

____

2. ______________________________

____

3. ______________________________

____

उद्‌देश्य

चित्रों की व्याख्या करना।

4. कविता से संबंधित चित्र बनाओ।

उद्देश्य

रचनात्मक
अभिव्यक्ति
का विकास।

10. आसमान गिरा



1. कहानी के अनुसार दिए गए खानों में 1,2,3 आदि लिखो।

उद्देश्य
- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- सही बात का पता लगाना।

खरगोश ने इधर-उधर देखा। उसे कुछ दिखाई नहीं दिया। ☐

उसे लगा पहाड़ गिर रहा है। ☐

सभी जानवर भागने लगे। ☐

लोमड़ी खरगोश के साथ भागने लगी। ☐

हाथी की बात सुनकर शेर भी डर गया। ☐

तभी पेड़ से एक फल गिरा। ☐

2. दिए गए उदाहरण के अनुसार वाक्य के लिए सही चिह्न पर गोल ○ घेरा लगाओ।

उद्देश्य

चिह्नों का सही प्रयोग सिखाना।

पेड़ से क्या गिरा ———————— (?) ।

आसमान गिर रहा है ———————— ? ।

खरगोश डर कर भागने लगा ———————— ? ।

ठहरो, कुछ बताओ? ———————— ? ।

सबसे पहले इसी ने कहा था ———————— ? ।

खरगोश कहाँ सो रहा था ———————— ? ।

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार सही शब्द पर तिकोन △ लगाओ और लिखो।

उद्देश्य
शब्द-ज्ञान बढ़ाना (समान अर्थ वाले शब्द)।

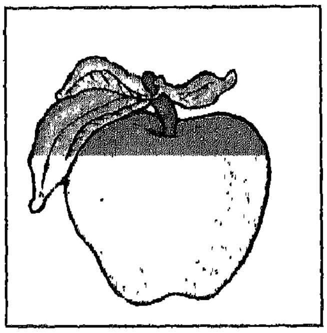
पंख	पक्षी	पर (△)	पाँव	पर
आसमान	बादल	आकाश	बारिश	________
दौड़ना	भागना	बैठना	उठना	________
पास	दूर	यहाँ	नज़दीक	________
कहानी	कविता	कथा	बात	________
ठहरना	रुकना	चलना	उठना	________

4. सही शब्द चुनकर खाली स्थान भरो।

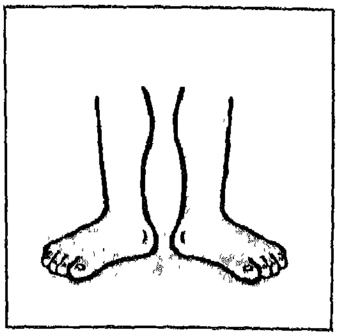
उद्देश्य
क्रिया-रूपों का सही प्रयोग सिखाना।

खरगोश डरकर ________ लगा।	भागते-भागते
खरगोश भाई, कहाँ ________ जा रहे हो?	भाग
तुम भी ________ आसमान गिर रहा है।	भागने
सभी जानवर ________ रहे थे।	भागो
________ खरगोश को लोमड़ी मिली।	भागे

5. चित्रों के नाम पूरे करो।



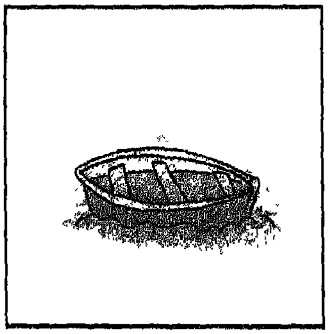
से ______



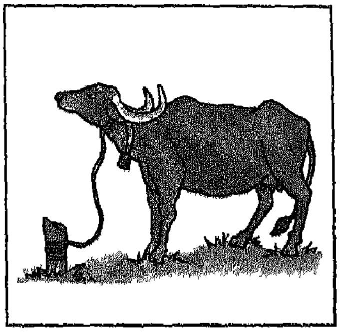
पाँ ______

उद्देश्य

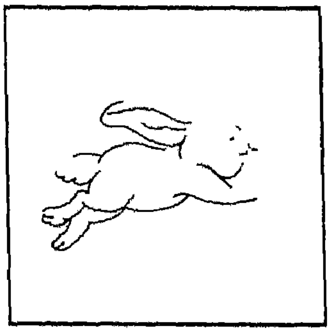
परस्पर मिलती-जुलती ध्वनियों (व-ब, श-स) का अभ्यास करवाना।



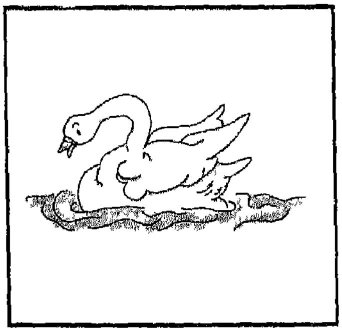
ना ______



भैं ______



खरगो ______



हं ______

6. वर्गों में से पालतू पशु और जंगली जानवरों के नाम ढूँढकर नीचे दी गई जगह में लिखो।

उद्देश्य

- खेल-खेल में भाषा के प्रति रुचि उत्पन्न करना।
- जानकारी प्राप्त करना।

हा	थी	बि	ल्ली	घो	ड़ा
ब	क	री	भे	ड़ि	या
	लो	भा	ड़	गा	बा
शे	म	लू	बै	य	घ
र	ड़ी		ल	कु	त्ता

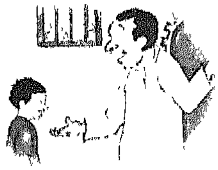
पालतू पशु - *बिल्ली* __________ __________

__________ __________

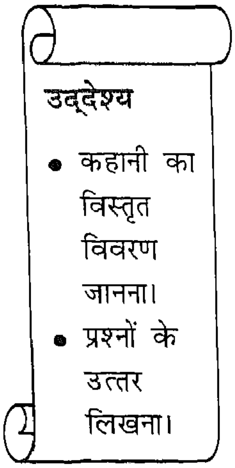
जंगली जानवर - *शेर* __________ __________

__________ __________

11. साथी की सहायता



1. किसने कहा ? क्यों कहा ?



''मुझे पाँच-सात रुपए दे दीजिए।''

____

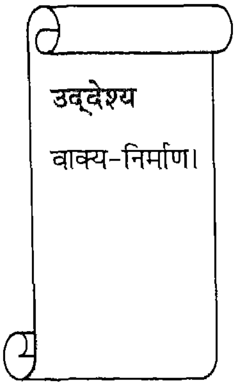
____

''तुमने बहुत अच्छा काम किया है।''

____

____

2. वाक्य बनाओ।



उम्र ____

____

खर्च ____

____

प्रसन्न ____

____

वर्षा ____

____

3. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

संयुक्त व्यंजनों का ज्ञान।

ग् + य = ग्य ग्यारह

र् + च = र्च खर्च चर्च

म् + र = म्र उम्र नम्र

वर्ष सूर्य निर्धन उम्र ग्यारह

4. दिए गए वाक्य को लिखो।

उद्देश्य

सुलेख लिखना।

चित्तरंजन दास ने देश की सेवा की।

5. तुम अपने दोस्त की मदद कैसे करते हो? लिखो।

उद्देश्य

शब्द बनाना (क्रिया-शब्द सिखाना)।



12. दीप जलाओ 

1. दिए गए उदाहरण के अनुसार मिलते-जुलते शब्दों को मिलाओ।

उद्देश्य

तुक का ज्ञान।

जलाओ	आम	परों	सिलाई
आओ	मनाओ	चलाओ	जेब
शाम	जीत	बजाना	घरों
मेला	खेला	मिठाई	जलाना
गीत	गाओ	सेब	जलाओ

2. जलते हुए दीपों के चित्र बनाओ।

उद्देश्य

रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।



13. बादल

1. सही शब्द लगाकर वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य

प्रसंग-संकेत द्वारा शब्दों को पहचानना।

कपड़े बदल लो, नहीं तो ______ लग जाएगी।	बूँदें
बड़ी-बड़ी ______ पड़ने लगीं।	ठंडी
पतीली से ______ निकल रही थी।	बादल
आसमान में ______ छाए हुए थे।	भाप
भाप ______ होकर बादल बन जाती है।	सरदी

2. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

- शब्द-ज्ञान बढ़ाना।
- क्रिया रूपों का सही प्रयोग सिखाना।

आ	आओगे	खेल	खेलोगे	देख	देखोगे
जा	______	सुन	______	बैठ	______
खा	______	लिख	______	कर	______
गा	______	बोल	______	सोच	______

ऊपर दिए गए शब्दों से वाक्य पूरे करो।

भरत क्या ______ रहा था?

क्या तुम मेरे साथ गाना ______ ?

आओ, खाना ______ लो?

इस बारिश में कहाँ ______ ?

क्या आज गेंद ______ ?

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार समान अर्थ वाले शब्दों के चारों ओर फूल बनाओ।

उद्देश्य

शब्द-ज्ञान बढ़ाना (शब्दार्थ)।

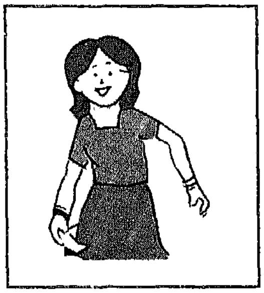
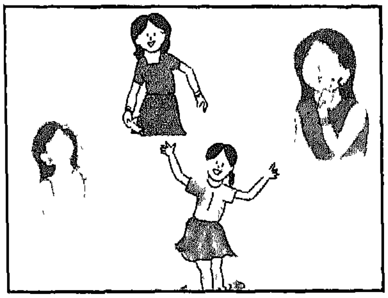
पाठशाला	स्कूल	कक्षा	कमरा
वर्षा	पानी	बूँदें	बारिश
समुद्र	नदी	सागर	आसमान
सूर्य	रोशनी	चाँद	सूरज

4. नीचे दिए गए शब्दों को उदाहरण के अनुसार सही जगह में लिखो।

उद्देश्य

शब्द-ज्ञान बढ़ाना (वचन)।

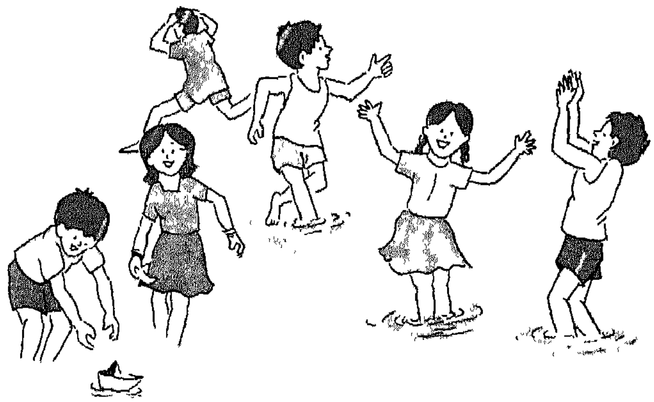
नदियाँ, बकरी, गिलहरियाँ, रानी, लड़कियाँ, पत्ते, चींटी, पौधा, पुस्तकें, तितली

एक	बहुत
	
बकरी	नदियाँ

5. चित्र के बारे में पाँच वाक्य लिखो।

उद्देश्य

लिखित अभिव्यक्ति का विकास।





14. साहसी बालक

1. उत्तर लिखो।

उद्‌देश्य

कहानी का प्रत्यास्मरण।

पूर्णचंद्र कहाँ रहता था?

____

____

लोग क्यों चिल्ला रहे थे?

____

____

पाठशाला की छत कैसी थी?

____

____

पूर्णचंद्र को इनाम क्यों मिला?

____

____

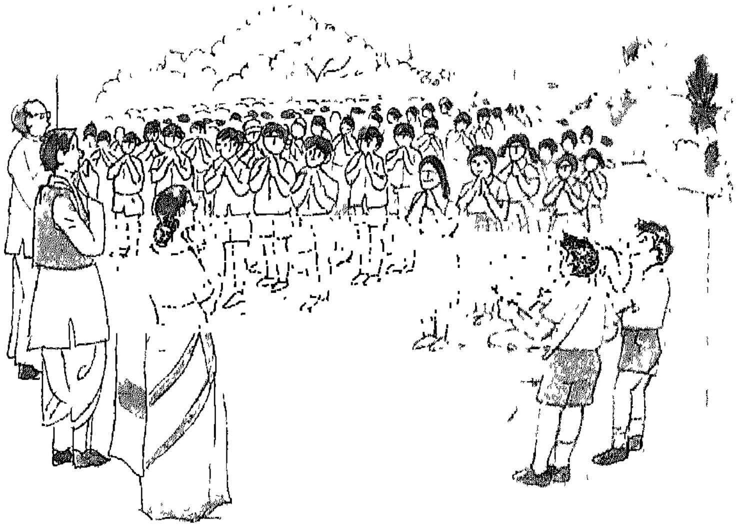
2. **दिए गए उदाहरण के अनुसार सही शब्द के नीचे रेखा खींचो।**

उद्‌देश्य

शब्दों के अर्थ जानना।

खाना	रोटी	भोजन	थाली
ओर	इधर	और	तरफ
साहसी	हिम्मती	अच्छा	चतुर
प्रतिदिन	कल	रोज़	आज

3. चित्रों के बारे में वाक्य लिखो।

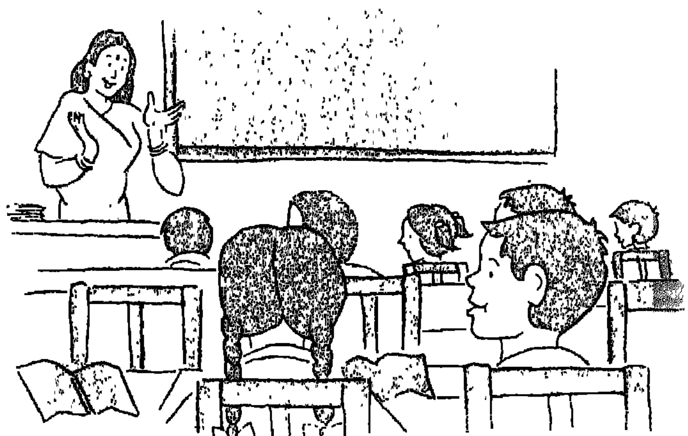


उद्देश्य

चित्र की व्याख्या करना।

1. ______________________________

____



2. ______________________________

____



3. ______________________________

____

4. सही शब्द लगाकर वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य
प्रसंग-संकेत द्वारा शब्द पहचानना।

पूर्णचंद्र को पढ़ने का बहुत ________ था।	नींद
उसके ________ ने उसे खूब दौड़ाया।	फूस
पूर्णचंद्र को गहरी ________ आ गई	शौक
पाठशाला की छत ________ की थी।	साथियों
पूर्णचंद्र पाठशाला से आकर ________ करता।	आराम

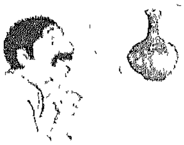
4. दिए गए उदाहरण के अनुसार शब्द बनाओ और लिखो।

पाठ	घर
गुलाब	पंख
चिड़िया	गाड़ी
मोर	शाला
बाल	सभा
रेल	जामुन

उद्देश्य

शब्द-निर्माण।

पाठशाला	________
________	________
________	________
________	________
________	________



15. सबकी सुराही

1. उत्तर लिखो।

उद्देश्य
- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- वाक्य लिखने का अभ्यास कराना।

भीमा कुम्हार के चाक ने क्या कहा?

____

____

सुराही बनाने के लिए क्या-क्या चाहिए?

____

____

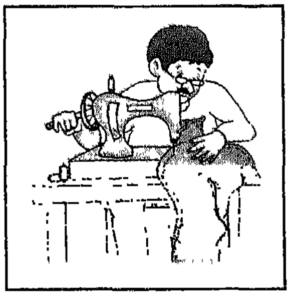
सुराही ने सबको क्या समझाया?

____

____

2. चित्रों की सहायता से वाक्य बनाओ।

उद्देश्य
- चित्रों द्वारा विषय-वस्तु का ज्ञान कराना।
- चित्र संकेत द्वारा वाक्य पूरे करना।







कुम्हार __________ से बरतन बना रहा है।

किसान के कंधे पर __________ है।

दरज़ी __________ पर कपड़े सी रहा है।

3. सही शब्द से वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य

- शब्द–ज्ञान बढ़ाना।
- उच्चारण सिखाना।

घड़ा ____________ से बनता है।	मिटी/ मिट्टी
आधी लकीर ____________ हुई है।	
आज बहुत खाना ____________ है।	बच्चा/ बचा
____________ हँस रहा है।	

4. सुराही का चित्र बनाओ और रंग भरो।

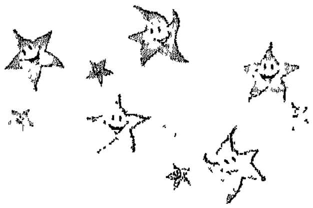
उद्देश्य

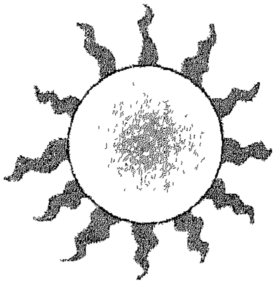
रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।



16. चाँद का कुरता

1. **चित्रों की सहायता से पहेलियाँ बूझो और उनके उत्तर लिखो।**



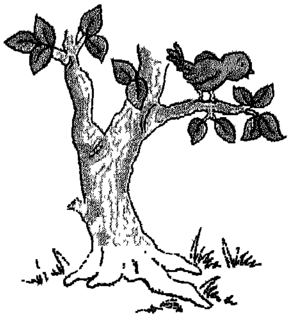


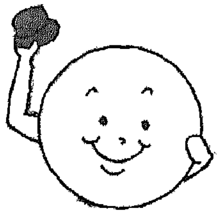
❖ मैं चमकूँ तो दिन हो जाए
छिप जाऊँ हो जाए रात। ____________

❖ पंख फैला कर मैं उड़ जाऊँ
दिन ढलने पर वापस आऊँ। ____________

उद्देश्य

- सामान्य ज्ञान बढ़ाना।
- चिंतन का विकास।





❖ बहुत दूर हम रहते हैं
टिमटिम करते रहते हैं। ____________

❖ रात पड़े मैं आता हूँ।
धुली चाँदनी बिखराता हूँ। ____________

2. रंगीन कागज़ से अलग-अलग आकार के चाँद काटकर चिपकाओ।

उद्‌देश्य

- अवलोकन शक्ति का विकास।
- रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।



17. मोची और बौने

1. पढ़ो और नीचे दिए गए तीन वाक्यों में जिससे यह वाक्य पूरा होता है, उसके सामने (✓) का चिह्न लगाओ।

उद्देश्य

कारण जानना।

बौने रोज रात को जूते बना जाते क्योंकि -

वे मोची को पैसे देना चाहते थे। ( )

वे मोची की मदद करना चाहते थे। ( )

वे मोची से कपड़े लेना चाहते थे। ( )

मोची और उसकी पत्नी ने बौनों के लिए जूते और कपड़े बनाए क्योंकि वे -

बौनों को देखना चाहते थे। ( )

बौनों की मदद करना चाहते थे। ( )

बौनों को धन्यवाद देना चाहते थे। ( )

2. सही शब्द लगाकर वाक्य पूरा करो।

उद्देश्य

- शब्द-ज्ञान बढ़ाना।
- सर्वनामों का सही प्रयोग सिखाना।

ये जूते ________ दे दो। (मैं / मुझे)

________ रात को खिड़की में से देखेंगे। (हम / हमारे)

मैं ________ बहुत से पैसे दूँगा। (तुम / तुम्हें)

________ इनके लिए कपड़े बनाऊँगी। (मैं / मुझे)

आज ________ चिड़ियाघर जाना है। (हम/ हमें)

________ मित्र यहीं खाना खाएँगे। (मैं/ मेरे)

3. किसने कहा? किससे कहा?

"रात में ऐसे जूते किसने बना दिए !"

____

____

उद्देश्य

- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- वाक्य लिखने का अभ्यास।

"ये जूते बड़े सुंदर हैं।"

____

____

"मैं इनके लिए सुंदर-सुंदर कपड़े बनाऊँगी।"

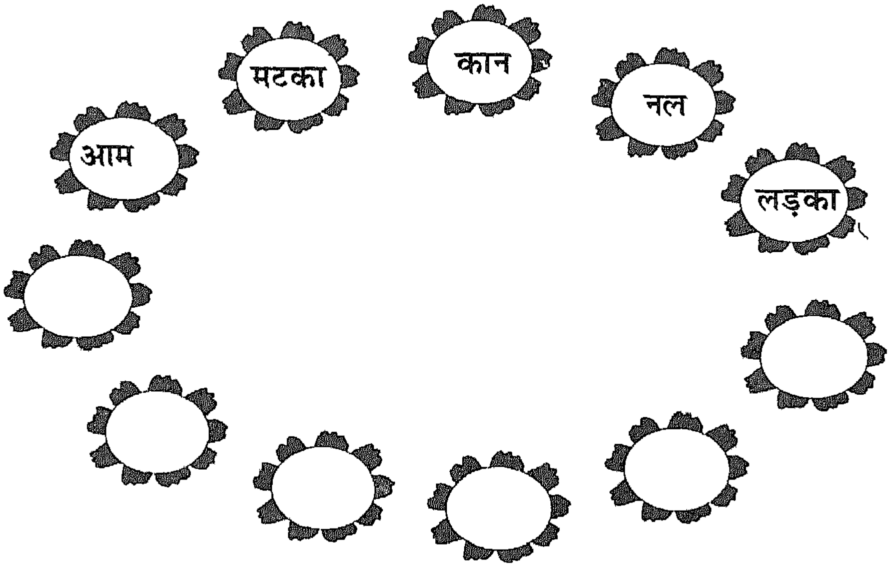
____

____

4. शब्दों की माला में दिए गए उदाहरण के अनुसार शब्द बनाओ।

उद्देश्य

शब्द-निर्माण।





18. बूझो तो जानें

1. पहेलियों को बूझो और उत्तर के चित्र बनाओ।

उद्देश्य

रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।

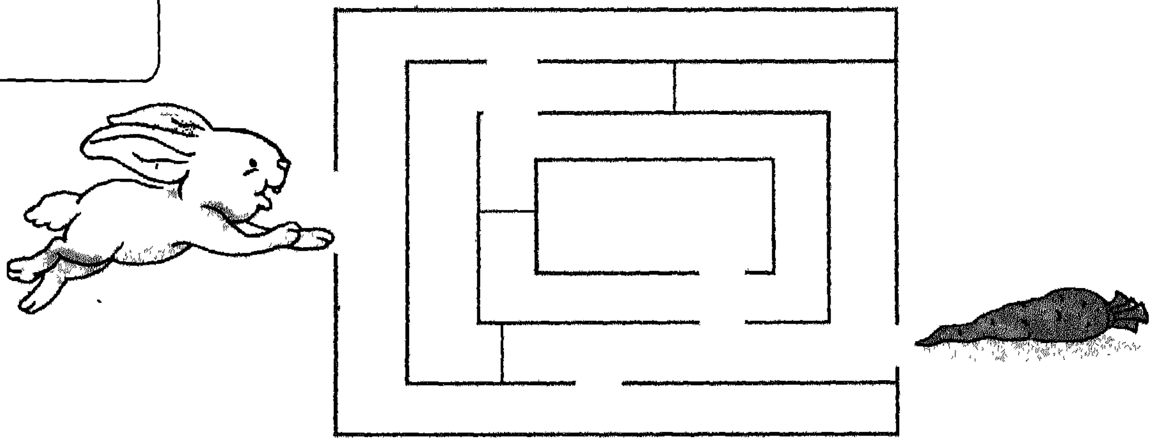
(क) एक चीज है गोल-गोल
मीठा रस भरा-भरा।
अंदर से लाल-लाल
बाहर से हरा-हरा।

(ख) देखो इसकी कैसी शान
बैठ नाक पर पकड़े कान।

उद्देश्य

अवलोकन की क्षमता का विकास।

2. खरगोश को गाजर तक पहुँचाओ।





19. दाँतों की सफाई

1. सही शब्द लगाकर वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य

क्रिया-शब्दों का सही प्रयोग सिखाना।

ऋषि के दाँत बहुत गंदे ________। (थी / थे)

कीड़ा दाँतों को खोखला कर ________ है। (देता / देते)

फल और सब्ज़ी जरूर ________ चाहिए। (खाना / खानी)

दूध पीने से दाँत मज़बूत ________ हैं। (होता / होते)

ऋषि अब रोज दाँत साफ़ करने ________। (लगा / लगी)

2. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

संयुक्त व्यंजन सिखाना।

क् + ट = क्ट	डाक्टर	कंडक्टर	विक्टर
ध् + य = ध्य	ध्यान	मध्य	अध्यापिका
ब् + ज़ = ब्ज़	सब्ज़ी	नब्ज़	कब्ज़

____

____

____

____

3. दिए गए उदाहरण के अनुसार अन्य शब्दों को लिखो।

उद्देश्य

शब्द-प्रयोग (बहुवचन और विभक्ति)

दाँत	दाँतों में		रोटी	रोटियों को
कीड़ा	______ ने		सब्ज़ी	______ को
आँख	______ से		थैली	______ से

ऊपर दिए सही शब्द से वाक्य पूरे करो।

अपने ______ साफ़ करो।

ऋषि के ______ में कीड़ा लग गया था।

प्लास्टिक की ______ में खाना न रखो।

4. पढ़ो और लिखो।

उद्देश्य

लिखने का अभ्यास कराना।

ऋतु ऋषि ऋण वृक्ष

______

______

______

______

5. उत्तर लिखो।

उद्देश्य
- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- वाक्य लिखने का अभ्यास कराना।

ऋषि के दाँत में दर्द क्यों हो रहा था?

____

____

ऋषि की माँ उसे कहाँ ले गई?

____

____

कौन-सी चीज़ें खाने से दाँत मज़बूत होते हैं?

____

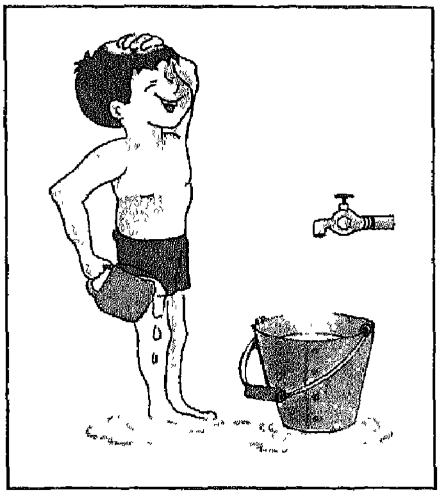
____

6. चित्र देखो और वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य
- चित्रों द्वारा सफाई का ज्ञान कराना।
- चित्र-संकेत द्वारा सही शब्द लिखना।



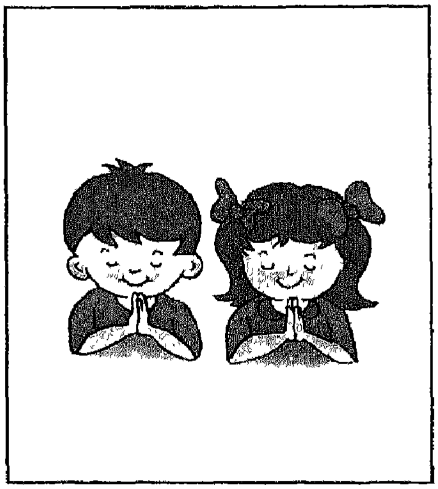
रोज़ ____________ साफ करो।



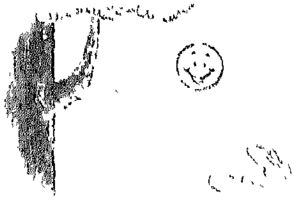
रोज़ सुबह ________ चाहिए।



बालों में ________ करो।



हमें रोज़ ________ करनी चाहिए।



20. कौन

1. पंक्तियों को पूरा करो और पढ़ो।

उद्देश्य
- कविता याद करना।
- लय और तुक का ज्ञान

अगर न होता चाँद, रात में
हमको ______________________ ?
अगर न होता सूरज, दिन को
______________________ ?

अगर न होते पेड़ भला फिर
______________________ ?
अगर न होते फूल बताओ
खिल-खिलकर ______________ ?

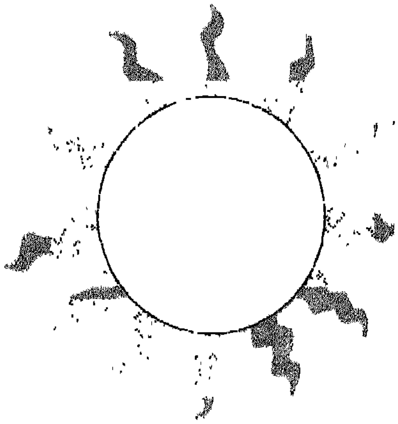
2. वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य

जानकारी देना (सामान्य ज्ञान बढ़ाना)।

चाँद और सूरज हमें ____________ देते हैं।	फल-फूल
नदियाँ हमें ____________ देती हैं।	छाया
पेड़ हमें ____________ देते हैं।	बारिश
बादल हमें ____________ देते हैं।	रोशनी
पौधे और पेड़ ____________ देते हैं।	पानी

3. चित्र देखो। उसके सामने लिखे शब्द पढ़ो। जो शब्द चित्र से मेल नहीं खाता है, उसके चारों ओर गोल ○ घेरा लगाओ।



धूप

उजाला

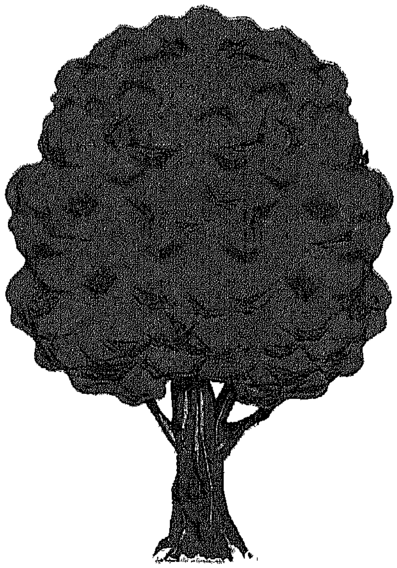
ठंडक

लाल

किरण

उद्‌देश्य

- सामान्य ज्ञान
- गलत बात का पता लगाना।



छाया

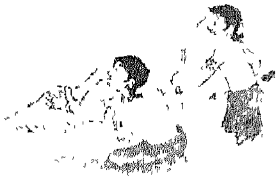
ठंडक

फल

रोशनी

फूल

लकड़ी



21. हंस किसका

1. किसने कहा?

उद्देश्य
कहानी का प्रत्यास्मरण।

"मुझे दो यह हंस। यह मेरा शिकार है।" ____________

"मैंने इसे मरने से बचाया है।" ____________

"मैंने इसे तीर से गिराया है।" ____________

"हंस सिद्धार्थ का है।" ____________

"सिद्धार्थ मेरा हंस नहीं दे रहा।" ____________

2. वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य
क्रिया-रूपों का सही प्रयोग सिखाना।

सिद्धार्थ ने धीरे से तीर ____________।	निकलने
सोहन शाम को घर से ____________।	निकल
हंस के शरीर से खून ____________ रहा था।	निकालो
गरमी से पसीना ____________ लगा।	निकला
बस्ते से पुस्तक ____________।	निकाला

3. उत्तर लिखो।

उद्देश्य

पात्रों के प्रति प्रतिक्रिया जानना।

सिद्धार्थ कैसा लड़का था?

____

____

देवदत्त कैसा लड़का था?

____

____

4. दिए गए उदाहरण के अनुसार सही अर्थ वाले शब्दों को मिलाओ।

उद्देश्य

शब्द-ज्ञान बढ़ाना (समानार्थक शब्द)।

सुबह	तीर	प्रश्न	बाग
रक्त	जवाब	पंख	जल
उत्तर	सवेरा	बगीचा	सवाल
बाण	खून	पानी	पर

5. चित्र देखो और उसके बारे में लिखो।



____

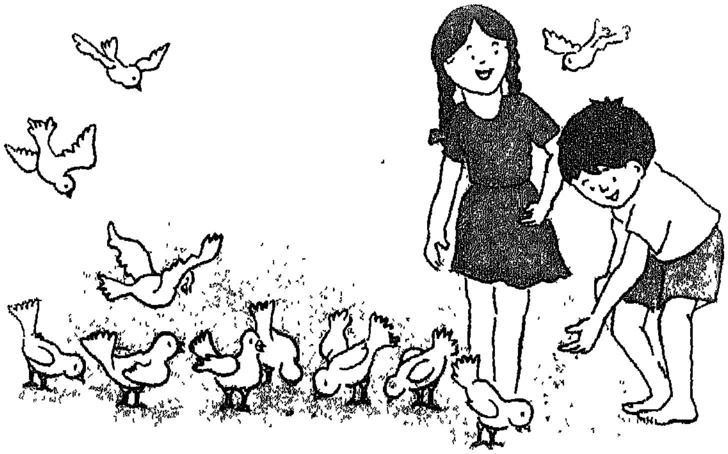
____

____

____

उद्‌देश्य

- चित्रों की व्याख्या करना।
- वाक्य-निर्माण।



____

____

____

____



22. होली

1. किसने कहा? किससे कहा?

उद्देश्य
- कहानी का प्रत्यास्मरण।
- प्रश्नों के उत्तर लिखना।

"मैं बाजार से रंग और पिचकारी लाऊँगा।"

____

____

"क्या अभी से रंग खेलोगे?"

____

____

"रोओ मत। देखो, होली पर रंग खेलते हैं।"

____

____

2. पाठ के अनुसार दिए गए खानों में 1, 2, 3 आदि लिखो।

उद्देश्य
- सही बात का पता लगाना।
- पठन–अभ्यास।

होली रंगों का त्योहार है। ☐

माँ ने विनोद को पैसे नहीं दिए। ☐

रंग पड़ने पर गीता रोने लगी। ☐

होली के दिन पाठशाला खुली थी। ☐

होली के दिन एक-दूसरे के मुँह पर गुलाल लगाते हैं। ☐

होली के दिन सबसे गले मिलते हैं। ☐

होली के दिन घर में छिपे रहते हैं। ☐

3. सही शब्द से वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य

प्रसंग-संकेत द्वारा शब्द को पहचानना।

मैं ________ से रंग और पिचकारी लाऊँगा।	मिलकर
विनोद को रास्ते में एक ________ मिला।	मिठाई
गीता का ________ पीला हो गया।	बाज़ार
माँ ने सबको ________ खिलाईं	पिचकारी
सबने ________ रंग खेला।	मित्र
विनोद ने ________ में रंग भरा।	कुरता

4. होली के बारे में चित्र बनाओ और रंग भरो।

उद्देश्य

रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।

5. दिए गए होली के चित्र में कुछ बातें होली से संबंधित नहीं हैं। उन पर कागज़ चिपकाओ।

उद्देश्य

चित्रों में बनी अप्रासंगिक बात ढूँढना।



6. होली के दिन तुम क्या-क्या करते हो? लिखो।

उद्देश्य

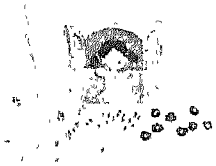
लिखित अभिव्यक्ति का विकास।

____

____

____

____



23. ऋतुएँ

1. कविता को पूरा करो।

उद्देश्य

कविता की लय और तुक का ज्ञान।

आ रे बादल, काले बादल
गरमी ______________________

रंग-रंगीली होली आती
सबके मन ______________________।

सरदी जाती गरमी आती
रंग-रंग के फूल ______________________

बिजली चमक रही अब चम-चम
लगा बरसने पानी ______________________।

2. दिए गए उदाहरण के अनुसार जिस ऋतु में यह बात होती है, उस तक रेखा खींचो।

उद्देश्य

ऋतुओं के बारे में जानकारी देना।

पसीना आना	
बादल आना	
स्वेटर पहनना	सरदी
पंखा चलना	गरमी
आग तापना	बरसात
पानी बरसना	

3. सही शब्द से वाक्य पूरे करो।

उद्देश्य

प्रसंग के अनुसार शब्दों का प्रयोग सिखाना।

मोहन ______ श्याम मेरे मित्र हैं ।	और / ओर
दिन बड़े होने लगते हैं और ______ छोटी।	तारे / रातें
पानी बरसने से ______ कम हो जाती है।	गरमी / गरम
घड़े ______ पानी है ।	में / मैं

4. दिए गए उदाहरण के अनुसार अन्य शब्द बनाओ।

उद्देश्य

शब्द-निर्माण।

काला बाल

लाल

बिजली दिल्ली

______

सरदी पतंग

______

कुत्ता चरता

______

खिलौना लड़की

______

मेमना करेला

______

A review of the factors of wastage clearly reveals that the drop-out behaviour is the result of various interacting factors, i.e. socio-economic, psycho-educational and interaction with the environment. These factors constitute the following areas:-

(i) Pupil attitude towards education.

(ii) Parental attitude towards child's education.

(iii) Attitude towards school (Pupil-teacher relations and school environment).

(iv) Attitude towards peers (peer-group relations).

Rationale for Analysing the Areas in the Construction of [illegible]

(i) Pupil attitude towards Education:

Pupil's less interest in education and motivation for learning is considered a significant factor contributing to his dropout behaviour. Sharma and Sapra (1969) have pointed out that dropouts have lower scholastic aptitude, lower attendance and less interest in education than stayins. Coole and Low (1932) have also arrived at the same conclusion that students who left school early were generally not academically motivated. Academic deficiency of a child may be one cause for his dropout behaviour. The child who is academically poor may not be able to make

pace with other children in the classroom, hence gets difficulty in adjustment and develops tendencies of withdrawing from school.

(ii) Parental attitude towards child's education.

The child's feeling of emotional insecurity in the family is considered a major contributing factor leading to his dropout behaviour. Ansari (1982) has revealed that truants are low in emotional security and one important source of this low security feeling is the lack of acceptance by parents. Hurlock (1964) has pointed out that parental rejection jeopardises normal security-feeling, undermines the child's self-esteem and induces feeling of helplessness and frustation. Maslow and Mittleman (1951) point out that the rejected child tends towards aggressiveness, truancy and withdrawal. Tiwari (1980) revealed that the maximum rejection come from the dropouts' parents than non-drop outs' parents. It has been observed in researches that on further consideration such attitudes of parents are conditioned by socio-economic considerations.

(iii) Attitude towards school (Pupil-teacher relations and school environment).

The problem of dissatisfaction of children with school is also considered one of the major causes contributing to their drop-out behaviour. Educational

studies that point to an empirical linkage between school failure and school dropouts lead one to suspect that reduced effectiveness in school (low scholastic achievement) would be a natural concomitant to dissatisfaction with the institution. Getzels and Jackson (1959) have pointed out that dissatisfaction of children with school could not be traced from scholastic variables only, equally important are the psychological variables. The close and extensive association experienced daily by teacher and pupil in the classroom makes the personality of a teacher a decisive influence in giving the direction to the personality pattern of a child. When the child learns that he is not being accepted by the teacher, his ego gets involved and he feels a sense of insecurity, not belongingness and develops withdrawing tendencies like delinquency and truancy. Researches have consistently observed that in the psycho-educational system, rigid formal content and methods combined with inflexible teacher expectations and examinations cause feelings of insecurity which ultimately result in the withdrawing behaviour of the child.

(iv) Attitude towards peers (peer-group relations).

A child feels insecure if he is not accepted by his peer-group. Dissatisfaction grows in a number of ways. The child who is rebuffed because of his social ineptness is likely to withdraw and cease his attempts at relating to

his classmates. Sometimes this dissatisfaction, in extreme cases, might ultimately result in withdrawal, anti-social tendencies like truancy and delinquency (Rigge and Hunt, 1965; Klausmeier, 1966; Lazarus, 1969; Rather, 1965). Hollister (1952); Allison (1957); and [illegible] ([illegible]) point out that pupils who dropped out of school had a lower socio-economic status than those who graduated. This implies that a child unhappy in the peer-group has a greater possibility of becoming a problem child and showing delinquent behaviour including truancy.

<u>Selection of Items</u>

The objective was to select a set of items in such a manner that the acceptance or rejection of each one will imply a different degree of favourable or unfavourable attitude towards drop-out incidence. So such a large number of items on each aspect of attitudes to be studied were collected from relevant literature, experts in the field and had informal interviews with parents, teachers, administrators and students on the causes and factors significantly contributing to dropout behaviour among students. Each of these statements were studied in relation to the aspect it referred to. On the basis of this and in the light of criteria suggested by Edwards for screening the items, 90 statements were typed in a random sequence and presented to a group of 60 experts (in education),

teachers and administrators both in the state and outside. They were requested to check each of the statements carefully for being favourable (positive) or unfavourable (negative) statements towards dropout incidence. In the light of their comments, the statements were modified and rewritten. Thus, 53 statements were retained, out of which 26 were positive and 27 negative.

The next phase consisted of determining the relevance of a particular statement and eliminating those which did not discriminate well between pupils holding different attitudes. As a basis for rejecting statements, use was made of item analysis.

__Preliminary Tryout:__

The draft scale was administered on a representative sample of 200 pupils of 6th and 7th grade belonging to both urban and rural schools of Srinagar and Budgam districts of Kashmir. The subjects were instructed to read each of the statements carefully and indicate their opinion on the Five Point Scale ; strongly Agree, Agree, undecided, Disagree and strongly disagree. The responses of the subjects were assigned arbitrary weights depending upon the degree of favourable or unfavourable attitude expressed. If the item was positive (favourable), strongly agree was given the numerical value of 05 and strongly disagree the numerical value of 01. If the item was negative

(unfavourable), strongly agree was given the value of 01 and strongly Disagree the value of 05. The responses of the subjects were scored. The weighted score for each item and also for each subject was summed up. On the basis of the total scores, 25 percent of the subjects with the highest total scores and 25 percent of the subjects with the lowest total scores were taken assuming that these two groups provided criterion groups in terms of which to evaluate the individual statements. The t-ratios were worked out to find out the extent to which statements differentiate between high and low groups (by a critical ratio of not less than .05 level of confidence). Only those statements were retained for the final form of the scale whose t-values were significant at .05 or .01 level of confidence. Out of 53 items, only 35 items were found to be significant. Thus, 35 items were retained for the final scale, out of which 18 items are positive and 17 items negative. Table 1 gives the details of the statements included in the scale under each area of expression.

Table I

Areas of Expression.

S. No.	Area of Expression.	No.of items	Posi-tive	Nega-tive
1.	AS: Pupil attitude towards education	09	05	04
2.	PA : Parental attitude towards child's educa-tion.	09	06	03
3.	AS : Attitude towards School (Pupil-teacher realtion) and school environment)	09	04	05
4.	AP : Attitude towards peers (Peer-Group relations.	08	03	05

Reliability and Validity:

The co-efficient of reliability was determined by test-retest and split-halves methods on a sample of 1003 pupils. The test-retest reliability with an interval of two months was found to be .971 and split-halves by applying Spearman Brown Formula .985.

Content Validity: As the content of the scale was derived from a list of statements and experts' opinion,as a measure of checks it was assumed that the scores obtained by administering the scale measured what was intended to measure. Moreover, the ' t values being significant for all the 35 statements constituting thescale revealed that

the statements had high discriminating values. Therefore, reasonably enough, the scale was taken as a valid measure of the dropout incidence. The 't' values are presented in the Table II.

Table II

S. No.	t-value	S. No.	t-value
1	3.27	18	8.16
2	3.26	19	10.09
3	5.37	20	2.06
4	2.32	21	8.31
5	3.20	22	4.90
6	2.18	23	9.00
7	2.38	24	7.26
8	4.08	25	12.90
9	7.00	26	10.34
10	5.17	27	6.52
11	2.00	28	5.33
12	3.73	29	4.00
13	2.05	30	8.26
14	6.35	31	4.01
15	3.56	32	2.21
16	2.19	33	3.13
17	2.20	34	6.09
		35	4.40

(11) Intercorrelations among basic areas of expression and the total DOS score are given in the Table III.

Table III

Intercorrelations among basic areas of expression and the total DOS. Score

Areas	Pupil attitude towards education	Parental attitude towards child's education	Attitude towards school	Attitude towards peers	Total DOS score.
Pupil attitude towards education	-	0426	0.521	0.133	0.97*
Parental attitude towards child's education.	-	-	0.243	0.230	0.94*
Attitude towards school	-	-	-	0.006	.98*
Attitude towards peers	-	-	-	-	.93*

* Significant beyond .01 level.

The correlations between various areas correlate moderately with each other emphasise the desirability of studying the individual from the standpoint of these basic areas whileas the correlations between the areas and the total DOS score are sufficiently high ranging from .93 to .97 showing the high degree of relationship which point to the fact that each area is contributing significantly to the total DOS score.

The Drase scale was also applied to 200 pupils. Correlation of scores on this scale with those on Desai D scale was found to be .85.

Thus it can be said that the dropout scale is a reliable and valid tool which can be used to measure dropout incidence among students.

Administration and Scoring :

General Instructions: Before administering the scale, care should be taken of the following points:-

(1) The scale should be administered in such a place where pupils can work comfortably and without any disturbance.

(2) Class room should not be over-crowded. A maximum of 30 to 35 pupils should be taken up for group administration.

(3) Initial rapport is necessary to be established with the pupils. The work 'test' should be avoided throughout the session in order to avoid the threat of examination among pupils.

(4) The test administrator should go through all the statements thoroughly so as to enable himself to answer any query raised by any student. He should see that all the students have pens or pencils with them. He should use simple language for giving instructions to the students. He should satisfy himself fully that each pupil understands what is required of him.

(5) After satisfying himself he should now distribute the booklets among the students. He should read aloud the instructions given on the front page

of the booklet and to answer questions, if any, regarding it.

(6) The statements are quite self explanatory. However, the test administrator can read the statement wherever any student faces reading diffic lty but no explanations should be made about the statements inside the booklet.

(7) 40 minutes are given for completion of the scale, however, most of the students will complete it in about 35 minutes.

<u>Scoring:</u>

The test administrator may use the key or mark an unused booklet with scoring value of each answer as an aid in scoring. The responses of the subjects are assigned numerical values ranging from 1 to 5 depending upon the degree of favourable or unfavourable attitude expressed. Table IV gives the details of the weightage.

<u>Table IV</u>

Procedure of Scoring

Type of statement	RESPONSES: Strongly Agree	Agree	Un-decided	Dis-agree	Strongly Disagree
Positive	05	04	03	02	01
Negative	01	02	03	04	05

All encircled response values of all the 35 statements of an individual pupil are added, the sum of which is the total DOS. The basic areas have been coded as AE, PA, AS and AP to the left of each statement in the booklet. To get the 'AE' score, all circled response values of 'AE' are added. The total is the AE Basic Area Score. The same procedure is followed for the other three Basic Areas, i.e. PA, AS and AP.

Interpretation of scores:

Responses made by students provide scores each student obtains on the drop-out scale. There are five DOS scores which provide data on each student that are :

(1) DOS Total Score: This is the total score of a student which he obtains on the DOS ranging from 35-175.

(2) AE Score : This is the score of a student pertaining mainly to his attitude towards education ranging from 9-45.

(3) PA Score : Revealing the attitudes of parents towards the education of their children. The score range is 9-45.

(4) AS Score : Revealing the attitudes of a student towards others in the school and school environment. The scores range from 9-45.

(5) AP Score : Deals with the attitudes of peers.
The score range is 8-40.

Since the psychologists and statisticians frequently desire more statistical information for the interpretation of data, the following methods were used:

<u>Expressing Raw Scores as T Scores:</u>

The scores were transformed into T scores so as to interpret the attitude of an individual student relative to the attitude of other students. T scores are presented in the following table:

Table V

Score	T Score	Score
125	74	-
124	73	-
122	72	-
121	71	-
119	70	-
117	69	123
115	68	121
113	67	119
111	66	116
110	65	114
108	64	111
106	63	110
104	62	107
102	61	105
100	60	103
98	59	101
96	58	99
95	57	97

T score	7th grade	6th	T score	7th grade
56	95	70	44	68
55	93	67	43	66
54	91	66	42	64
53	89	64	41	62
52	86	62	40	59
51	84	60	39	57
50	81	58	38	55
49	79	56	37	52
48	77	54	36	49
47	74	52	35	47
46	72	50	34	45
45	70	48	33	43
		46	32	-
		44	30	-

If we use the mean of the group as our point of n, then each of the individual scores can be expressed deviation from this origin. We assume that the mean sents the typical or average attitude of the group, fore, the scores falling above mean are interpreted orce that are more favourable to the dropout incidence the average for the group whiles scores that fall the mean are interpreted as scores that are less rable to the dropout incidence than the average. While g an inspection of the table the scores falling above (84 for 6th grade and 81 for 7th grade pupils) reveals

the pupils more probability of dropping out from school than the group who fall below the mean.

Norms. Norm tables for 6th grade and 7th grade pupils have been provided for the different types of scores obtained on the dropout scale.

Table - VI

Percentile Norms - Drop-out Scale 6th grade pupils

Score	Percentile	T Score	Score	Percentile	T -Score
108	90	64	79	40	49
102	80	61	75	30	47
100	75	60	72	25	45
97	70	58	69	20	44
92	60	55	58	10	38
84	50	52	48	5	32

Table - VI

Percentile Norms - Drop-out Scale 7th Grade pupils

Score	Percentile	T Score	Score	Percentile	T Score
110	90	63	73	40	46
103	80	60	64	30	42
99	75	58	60	25	41
96	70	57	55	20	38
90	60	54	48	10	35
83	50	51	43	5	33

Table VIII

DOI Area Scores and Percentiles 6th grade pupils

Score					T Score			
AR	PA	AS	AP	Percentile	AR	PA	AS	AP
35	35	28	23	90	60	66	67	57
28	32	26	22	80	58	62	63	55
27	29	25	21	75	56	58	61	52
26	28	24	20	70	55	57	59	50
24	27	23	18	60	52	55	57	45
22	23	21	17	50	50	50	52	43
20	21	20	16	40	48	47	50	41
19	19	19	15	30	46	45	48	38
17	17	18	14	25	44	43	46	36
15	16	17	13	20	41	42	43	34
11	14	15	12	10	36	40	39	32
10	10	11	9	5	34	32	27	25

Table XI

DOI Area Scores and Percentiles 7th Grade pupils

Score					T Score			
AR	PA	AS	AP	Percentile	AR	PA	AS	AP
35	37	26	21	90	65	65	62	52
31	35	25	20	80	60	63	60	50
30	33	24	19	75	59	61	58	48
26	29	24	18	70	54	59	58	47
23	27	22	17	60	51	54	54	45
21	22	21	16	50	49	49	52	43
18	20	20	14	40	46	47	50	40
15	16	18	13	30	42	42	46	38
14	15	17	12	25	41	41	44	37
13	14	16	12	20	40	40	42	37
11	11	11	11	10	38	37	32	35
10	10	10	9	5	37	34	20	32

The norm tables reveal that relative position of a student on a 100 point scale. For example, a student whose score falls at the 75th percentile point exceeds 75 percent of the boys on whom the scale was standardized, such a score may also be interpreted to mean that this student is lower than 25 percent of the students in the standardization group. For convenience in interpretation, all scores are assigned the percentile ranks of the mid-point of the range of percentile ranks in which they are located as shown in the following table :

Table - X

6th Grade	Percentile Rank	7th Grade
106 - 175	90	107-175
100-105	80	99-106
95-99	70	93-98
88-94	60	87-92
82-87	50	78-86
77-81	40	70-77
72-76	30	60-69
64-71	20	52-59
48-63	10	43-51

Uses of the Drop-out Scale:

1. It provides an objective method for obtaining expressions of attitudes related to drop-out incidence.

2. It may help in identifying reliably the drop-out symptoms of pupils so that timely treatment is given to them from going waste.

3. It may provide information about students with strongly negative attitudes towards teachers and school so that corrective measures could be taken up.

4. It may inform the parents about their children if they are expected to be future potential drop-outs.

5. It may be of a great help for the school authorities so that they can design various teaching strategies to meet the needs of individual pupils on the one hand and development of healthy attitudes on the other.

REFERENCES

1. Allport, Gordon.W.: Pattern and Growth in Personality. Holt, Rinehart and Winston, New York, 1961.

2. Edwards, A.L.: Techniques of Attitude Scale Construction. Vakils, Feffer and Simons Pvt.Ltd., Bombay, 1969.

3. Freeman, F.S.: Psychological Testing. Oxford and IBH Publishing Company, New Delhi, 1976.

4. Guilford, J.P.: Psychometric Methods. Tata Mc Graw Hill Publishing Co.Ltd. New Delhi, 1987.

5. Kerlinger, F.N.: Foundations of Behavioural Research (2nd Edition), Holt, Rinehart and Winston, New York, 1973.

6. Koch, Sigmund Ed.: "Attitude structure and change" in Psychology: A Study of Science. Mc Graw-Hill Book Company, Inc. 1959.

7. Lindzey, G. and Aronson, E. (Eds.) "Attitude Measurement" in the Handbook of Social Psychology. Addison-Wesley Publishing Company, London, 1969.

8. Mather, A.K.: Creativity and Deprivant Adolescence. Gulshan Publishers, Srinagar, 1990.

9. Vinacke, W.E. and Wilson, W.R.: Dimensions of Social Psychology. D.B. Taraporevala Sons and Co. Pvt.Ltd. Bombay, 1973.

Appendix – I

Drop-out Scale

Dr. A. R. Mathur
Post-Graduate Department of
Education, University of Kashmir,
Srinagar-6.

Please fill in the blank spaces.

Name : ______________________ Date of Birth(Age) ____________

Name of the Institution: ________________ Grade ____________

Father's Name : ____________ Father's occupation ____________

Address: ____

Date : __________.

General Instructions. This booklet contains 55 statements. The purpose of the statements is to find out what you usually think, feel or act about things around you. This is not a test. You are asked to give honest and frank opinion about the statements. In answering each statement please go through the following steps:

1. Read the statement carefully.
2. There are five answers to each statement: Strongly Agree (A) : Agree (B): Undecided (C): Disagree (D): Strongly Disagree (E).

   You have to choose only one answer you agree with most.

Sample Statement:

Domestic duties are as important as studies : A B C D E

Encircle the answer you agree with most.

(1) If you strongly agree with the statement

(ii) If you agree with the statement encircle 'A'.

(iii) If you neither agree nor disagree with the statement encircle 'U'.

(iv) If you disagree with the statement encircle 'D'.

(v) If you strongly disagree with the statement encircle 'D'.

3. Please answer all the questions. There are no right or wrong answers. Be sure that your answers will be kept anonymous. You will have 40 minutes to complete the booklet but work as fast as you can.

4. Please turn the page and begin.

[illegible]

Area	Score	Probability
A E		
FA		
A S		
A F		
Total		

A.	K.	Statement.	Strongly agree	Agree	Undecided	Disagree	Strongly disagree
AE	1.	It is important to attend school regularly.	A	B	C	D	E
AF	2.	To have friends in school makes school an interesting place	A	B	C	D	E
AE	3.	Education is essential to get a good job in life.	A	B	C	D	E
PA	4.	Children of poor families have no use for education	A	B	C	D	E
AF.	5.	It is difficult to mix with the rest of the students in the class	A	B	C	D	E
AE.	6.	Teachers who care for their students are the best teachers.	A	B	C	D	E
PA	7.	Parents do not take much interest in what goes on in school.	A	B	C	D	E
AF	8.	Students who engage themselves in academic activities are good to be made friends.	A	B	C	D	E

AP	9.	Students should cultivate friendship with those who are of higher intelligence.	A	B	C	D	E
AS	10	Teachers with high academic qualifications do not make much of a difference.	A	B	C	D	E
AS	11	Getting a job as early as possible in life is more important than education.	A	B	C	D	E
AP	12	Friends are a source of motivation to the students to continue their education.	A	B	C	D	E
AS	13.	Teachers who do not put pressure on the students to do school work are liked by them.	A	B	C	D	E
AS	14.	It is important to earn good name in the school.	A	B	C	D	E
PA	15	Parents feel that education of their children is a great financial burden on them.	A	B	C	D	E
AP	16	Moving in a group outside the class is better than sitting in the class.	A	B	C	D	E

AS	17.	Teachers are not fair when they give marks.	A	B	C	D	E
AS	18	Domestic work does not leave sufficient time for students to study.	A	B	C	D	E
PA	19.	Parents need the help of children in supplementing their family income.	A	B	C	D	E
AP	20.	Having friends of similar social status do not help in continuing education.	A	B	C	D	E
AS	21	Sports and games are important for students to take interest in school.	A	B	C	D	E
PA.	22.	Parents who are kind to children make them interested in their studies.	A	B	C	D	E
PA	23.	Parents who motivate their children to do well in studies are good.	A	B	C	D	E
AP	24.	Students who are loved and respected by others in the school would like to continue their studies till late in life.	A	B	C	D	E
AS	25.	Teachers make the lesson interesting.	A	B	C	D	E
AS	26.	Playing with friends is more enjoyable than reading books.	A	B	C	D	E